

## ११. भारतवर्ष हमारा है

### प्रस्तावना

\* इस कविता के कवि बालकृष्ण शर्मा हैं। वे साहित्य की दुनिया में 'नवीन' के नामसे जाने जाते हैं। उनका जन्म सन् 1897 में मध्य प्रदेश के शाजापुर परगने के मदाना गाँव में हुआ था, और उनका निधन सन् 1960 को हुआ था। ग्यारह वर्ष की आयु में उनकी शिक्षा आरंभ हुई। वे उच्च शिक्षा के लिए कानपुर तो आये किन्तु गाँधीजी के आह्वान पर वे कॉलेज छोड़कर राजनीति में सक्रिय हुए। स्वतंत्रता आंदोलन का इन पर गहरा प्रभाव पड़ा। इसीलिए राष्ट्रभक्ति और अन्याय के प्रति विद्रोह की चिनगारी इनके भीतर प्रकट हुई। अपने लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान इन्हें कई बार जेल भी जाना पड़ा। वे लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य भी रह चुके हैं। कुछ समय तक इन्होंने 'प्रभा' और 'प्रताप' पत्रों का संपादन भी किया। भारत सरकार द्वारा इन्हें 'पद्मभूषण' से सम्मानित किया गया है। 'कुंकुम', 'रश्मिरेखा', 'उर्मिला' तथा 'हम विष-पायी जनम के' आदि इनकी सुप्रसिद्ध रचनाएँ हैं।

'भारतवर्ष हमारा है' काव्य राष्ट्रप्रेम से भरपूर है। यह उन दिनों लिखी गयी थी जब हमारे देश पर अंग्रेजों ने कब्ज़ा कर लिया था। इस कविता में कवि ने स्वतंत्रता की लहर से भारत के नवनिर्माण के लिए आह्वान किया है। कवि ने यहाँ जनमन के उत्साह को व्यक्त किया है। तो आइए इस कविता का अध्ययन करते हैं।

### स्वाध्याय

#### १. निम्नलिखित प्रश्नों के एक – एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

१. करोड़ों लोग से क्या आवाज उठी ?

उत्तर : करोड़ों लोगों से भारत वर्ष हमारा है, यह हिंदुस्तान हमारा है ये आवाज उठी।

२. हिंदुस्तान के प्रति जनता का अभिमान कब से है ?

उत्तर : हिंदुस्तान के प्रति जनता का अभिमान जन्म से ही है यानी की आदि - अनादि से है।

३. नवयुग के नयनों में क्या भरा है ?

उत्तर : नवयुग के नयनों में ज्वलित अग्नि के पुंज भरे हैं।

## २. निम्नलिखित प्रश्नों के दो तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. भारत वर्ष हमारा है यह स्वधारा किसकी है ?

उत्तर : भारत वर्ष हमारा है यह स्वधारा भारत में रहने वाले प्रत्येक भारतवासी की है । यह स्वधारा करोड़ों भारतीयों की है ।

२. नवसर्जन के स्वप्न कब से जागे ?

उत्तर : उस दिन सबसे पहले नवसर्जन के स्वप्न जागे, देशकाल के दो दो विशाल और सुंदर विचारों की रचना हुई । जिस दिन आकाश में तारे छिटके और जिस दिन से सूरज और चाँद बने ।

३. भारत वर्ष हमारा जन्मस्थान कब से है ?

उत्तर : जब घटाओं ने सबसे पहले उमड़ना सीखा था, जब पहले – पहले हवाओं ने तेज चलना सीखा था, जब समुद्र सबसे पहले लहराना सीख रहा था उसी आदि – अनादि क्षण से वह भारत वर्ष हमारा जन्मस्थान है ।

४. करोड़ों लोगों के उत्साह भरे वचन क्या थे ?

उत्तर : करोड़ों लोगों के उत्साह भरे वचन यह थे कि ऐसा कौन सा देश है जो हमारे देश के सामने आयेगा, जो हमारे देश का सामना कर सके ? हमारे यह भारत वर्ष हमारा हिंदुस्तान महान है ।

५. कवि भारत का प्रतिपक्षी किसे मानते हैं ?

उत्तर : इस कविता में स्वतंत्रता की लहर में भारत के नवनिर्माण के लिए कवि ने आह्वान किया है इसलिए भारत पर सत्ता जमा बैठे हुए अंग्रेजों को कवि भारत का प्रतिपक्षी मानते हैं ।

## ३. निम्नलिखित प्रश्नों के चार पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

१. हिंदुस्तान हमारा है – स्वधारा किसकी और कब से है ?

उत्तर : भारत में रहने करोड़ों भारतवासीयों के कंठों को यह स्वधारा है कि हिंदुस्तान हमारा है । जिस दिन से हमारे मन में नव सर्जन के स्वप्न जागे, जिस दिन से देश में सुंदर और विशाल विचारों की रचना हुई, जिस दिन से आकाश में तारे चमकने लगे और जिस दिन सूरज – चाँद बने तब से यानी कि आदि काल से यह देश हमारा है ।

२. कवि बालकृष्ण ‘ नवीन ’ – भारत के लिए क्या कहते हैं ?

उत्तर : कवि बालकृष्ण ‘ नवीन ’ – भारत के लिए कहते हैं कि अनादि – आदि क्षण से यह हमारा जन्मस्थान है । भारत वर्ष के प्राचीनतम देश है । इस बात का

भारत के बयालीस करोड़ जनता को गर्व है । उसकी गर्जना सुनकर प्रतिपक्षी के हृदय कांप उठते हैं । आज के नवयुग के नयनों में जलती हुई अग्नि का पुंज भरे हुए है । जिसके सामने आने की हिम्मत भला कौन कर सकता है ? यह हमारा भारत देश महान है ।

**४. निम्नलिखित का भावार्थ स्पष्ट कीजिए :**

**गरज उठे बयालीस कोटिजन, सुन ये .....हिंदुस्तान हमारा है ।**

**उत्तर :** कवि कहते हैं कि भारत की बयालीस करोड़ जनता उत्साह से कहती है भारत वर्ष हमारा है और उनके यह वचन गरज उठे हैं । यह उत्साह भरे वचन सुन के प्रतिपक्षियों के हृदय भी कांप उठते हैं । आज के नवयुग के नवयुवकों के नयनों में दुश्मनों के लिए जलती हुई अग्नि के पुंज भरे हुए हैं जिसका सामना कोई नहीं कर सकता । किसी में इतनी हिम्मत नहीं है कि वो सामने आ सके । भारत देश महान है । भारत वर्ष हमारा है । यह हिंदुस्तान हमारा है ।

